स्क्यान कैके
पहुरा थारु दैनिकके अनलाइन न्यूज ओ ओकरभिट्टर डारल इ-पेपरमे देशविदेशसे हमार अनलाइन न्यूज ओ पत्रिका पहे सेक्बी ।

थारू भाषाके 'क' वर्गके राष्ट्रिय दैनिक भाषा, संस्कृति ओ समाचारमूलक पत्रिका

पहुरा

PAHURA
NATIONAL DAILY

विवाह पवित्र बन्धन हो,
विवाहलाई लेनदेनको विषय नबनाऔं,
विवाहमा दाईजो लिने र दिने काम नगरौं,
दाईजोका कारण हुने हिंसा अन्त्य गरौं ।
नेपाल सरकार
विज्ञापन बोर्ड

वर्ष २३ अंक ३१४ वि.सं. २०८३ जेठ २८ गते बिफे थारु सम्वत (२६४९) [Thursday 11 June 2026] (मोल रु. ५ ।- पेज ४)

युवकके हत्या प्रकरण:

अक्के परिवारके तीन जाने पक्राउ

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, २७ जेठ । कैलालीमे एक युवकके हत्या करल आरोपमे एक्के परिवारके तीन जाने पक्राउ परल बटै ।

कैलालीके धनगढी उप-महानगरपालिका-९ त्रिवेणीघाटस्थित मोहना लडिया किनारमे बेवारिसे अवस्थामे फेला परल २० वर्षीय राजकुमार रानाके हत्या हुइल खुलल प्रहरी जनैले बा ।

जिल्ला प्रहरी कार्यालयका प्रवक्ता प्रहरी नायब उपरीक्षक(डीएसपी) योगेन्द्र तिमिल्सिना अँटवार मृत भेटल कैलारी गाउँपालिका-९ गदरियाके रानाके हत्या हुइल प्रारम्भिक अनुसन्धानसे डेखाइल जानकारी डेलै ।

उहाँक अनुसार हत्यामे संलग्न हुइल अभियोगमे धनगढी उपमहानगरपालिका-८ के एक्के परिवारके ६० वर्षीय बम्मन राना, ५८ वर्षीया भँगु राना ओ २० वर्षीया गीता रानाहे पक्राउ करल बा ।

ओइनेसहित चार जाने रानाके कुटपिट करके हत्या करके शव मोहना लडिया किनारमे फेकल डेखल प्रहरीके कहाई बा ।

योजना बनैले रहिट भारतीय युवक

राजकुमारके शव जेठ-२४ गते धनगढी उपमहानरगपालिका-९ त्रिवेणी घाटस्थित मोहना लडिया किनारमे भेटल रहे । राजकुमारके हत्यामे एक्के परिवार संलग्न रहल बा । राजकुमारहे घरे बोलाके करल रहिट निर्घात कुटपिट ।

उहाँक हत्या आरोपमे धनगढी उपमहानगर-८ के ६० वर्षीय बम्मन राना, उहाँक गोसिनीय ५८ वर्षीय भंगु राना ओ छाई २० वर्षीया गीता रानाहे पक्राउ जिल्ला प्रहरी कार्यालय कैलालीके प्रवक्ता डिएसपी योगेन्द्र तिमिल्सिना जानकारी डेलै । हत्यामे संलग्न एक भारतीय युवक भर फरार बटै ।

चार जाने मिलके राजकुमारउप्पर कुटपिट करके हत्या करके ओ शव मोहना लडिया किनारमे लैजाके फेकल अनुसन्धानसे खुलल बा ।

प्रहरीके अनुसन्धानसे हत्याके कारण त्रिकोणात्मक प्रेम सम्बन्ध डेखल बा ।

अनुसन्धानअनुसार गीता भारतीय युवकसँग प्रेम सम्बन्धमे रहिट । मने विचमे सम्बन्धमे दरार आइलपाछे उहाँ राजकुमारसँग प्रेम सम्बन्धमे रहल खुलल बा । ओइने भोज कैनासमके तयारी करलफे अनुसन्धानसे खुलल बा ।

पाछे भारतीय युवकफे लग्गे हुइल रहिट । विवाद हुके भारतीय युवकहे गीता साथ डेहलपाछे उ राजकुमारके हत्या कैना योजना बनैले रहिट । अपन योजना उहाँ गीता ओ उहाँक परिवारहेफे सुनाइल प्रहरीके अनुसन्धानसे खुलल बा । सक्कु जाने सहमत हुइलपाछे गीता राजकुमारहे भेटे आई कहिके साँझके घरमे बोलैले रहिट । उ बेला भारतीय युवकफे गीताके घरमे रहिट ।

राजकुमार वहाँ पुगलपाछे परिवारके सक्कु जाने मिल्के उहाँ उप्पर निर्घात कुटपिट करल रहिट । कुटपिटसे उहाँक घटनास्थलमे मृत्यु हुइल रहे ।

चारु जाने मिल्के उहे रात राजकुमारके शव घरसे झन्डे डेढ किलोमिटर दुर रहल मोहना लडिया किनारमे लैजाके फेकल अनुसन्धानसे खुलल डिएसपी तिमिल्सिना बटैले बटै ।

डिएसपी तिमिल्सिनाके अनुसार हत्या करलपाछे गीताफे भारत भागल रहिट । उहाँहे भारतके प्रहरीके सहयोगमे पक्राउ करके बुधके सकारे केल्ह कैलाली ल्यानल ओरसे थप अनुसन्धान बाँकी बा ।

भारतीय प्रहरीके सहयोगमे गीता पक्राउ परलेसेफे उहाँक प्रेमी भर भाग्न सफल हुइल डिएसपी तिमिल्सिना बटैलै ।

राजकुमार हत्या घटनाके आरोपी गीताके बाबा, डाई बिरुद्ध जिल्ला अदालतसे म्याद थप हुके कर्तव्य ज्यान मुद्दा चलैना करके थप अनुसन्धान हुइटी रहल प्रहरी जनैले बा । राजकुमारके हत्यामे संलग्न गीताहे बुधके प्रहरी म्याद थपके लग अदालत लैजैना तयारी करल रहे । योजना बनुइया भारतीय युवकके भर खोजी कार्य जारी रहल प्रहरी जनैले बा ।

धनगढी उपमहानगरसे ३५८ विद्यार्थीहि छात्रवृत्ति वितरण

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, २७ जेठ । धनगढी उपमहानगरपालिकासे कक्षा ११ ओ १२ मे अध्ययनरत तथा अध्ययन करे जैना विद्यार्थीनहे लक्षित करटी सञ्चालन करल छात्रवृत्ति कार्यक्रम अन्तर्गत चालु आर्थिक वर्ष २०८३ मे ३५८ जाने विद्यार्थीहि छात्रवृत्ति प्रदान करले बा ।

उपमहानगरपालिकाके शिक्षा, युवा तथा खेलकुद महाशाखाके अनुसार आर्थिक अवस्था कमजोर हुइल तथा जेहेन्दार विद्यार्थीहे संस्थागत विद्यालयमे अध्ययन कैना अवसर उपलब्ध करैना उद्देश्यसे सञ्चालित कार्यक्रममार्फत छात्रवृत्ति प्राप्त कैना विद्यार्थीहे बुधके सिफारिस पत्र वितरण करल हो ।

धनगढी उपमहानगरपालिकाके सभा हलमे आयोजित छात्रवृत्ति वितरण, शुभकामना तथा बधाई कार्यक्रममे छात्रवृत्तिके लाग छनोट हुइल सक्कु विद्यार्थीहे बोलाके सिफारिस पत्र हस्तान्तरण करल रहे । कार्यक्रममे धनगढी उपमहानगरपालिकाके नगर प्रमुख गोपाल हमालसे विद्यार्थीहुकनहे बधाई तथा शुभकामना व्यक्त करटी गुणस्तरीय शिक्षाके अवसरहे सदुपयोग कैना आग्रह करलै ।

उपमहानगरपालिकासे पछिल्का तीन वर्षमे कुल ९१७ जाने विद्यार्थीनहे छात्रवृत्ति प्रदान करल जनैले बा । तथ्यांकअनुसार आर्थिक वर्ष २०८१ मे २७६, आर्थिक वर्ष २०८२ मे २८३ ओ आर्थिक वर्ष २०८३ मे ३५८ जाने विद्यार्थी छात्रवृत्ति प्राप्त करले बटै । अघिल्का वर्षके तुलनामे यी वर्ष छात्रवृत्ति प्राप्त कैना विद्यार्थीके संख्या उल्लेखनीय रूपमे वृद्धि हुइल बा ।

तीन वर्षके अवधिमे विज्ञान संकायओर सबसे ढेर ४७५ जाने विद्यार्थी छात्रवृत्ति प्राप्त करले बटै । ओस्टे व्यवस्थापन संकायओर ३४३, होटल म्यानेजमेन्टओर ५२, कानूनओर २७, शिक्षाओर ९ तथा मानविकी संकायओर ३ जाने विद्यार्थीहे छात्रवृत्ति प्रदान करल बा । चालु आर्थिक वर्ष २०८३ मे केल्ह विज्ञानओर १७३, व्यवस्थापनओर १३९, होटल म्यानेजमेन्टओर *(बाँकी ३ पेजमे)*

एक सय त्रिसठ्ठी ऐन, कानुन बनल

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, २७ जेठ । सुदूरपश्चिम प्रदेशसे हालसम १६३ ठो ऐन, कानुन निर्माण करले बा । संघीय व्यवस्था कार्यान्वयनके क्रममे प्रदेशसे आवश्यक ऐन, कानुन निर्माण करल हो । मुख्यमन्त्री तथा मन्त्रीपरिषद् कार्यालयके अनुसार प्रदेशसे प्रदेश सभासे पारित कैके हालसम ४५ ठो मूल ऐन निर्माण करले बा ।

ओस्टके मन्त्रीपरिषद्से ६२ ठो कार्यविधि बनल बावै । मन्त्रीपरिषद्से पारित हुइल निर्देशिका संख्या १४ रहल मुख्यमन्त्री तथा मन्त्रीपरिषद् कार्यालयके उपसचिव विष्णुदत्त अवस्थी जानकारी डेलै । ओस्टके नीति छ ठो, नियमावली १७ बनल बावै । गठनादेश नौ, मापदण्ड छ, आचारसंहिता दुई, मार्गदर्शन ओ कार्ययोजना एक/एक ठो बनल जनाइल बा ।

प्रदेश सभासे हालसम ८५ ठो विधेयक पारित हुइल बावै । ६७ विधेयक आघेक प्रदेश सभाके कार्यकालमे ओ डुसरा प्रदेश सभासे हालसम १८ ठो विधेयक पारित हुइल जनाइल बा ।

डोसर प्रदेश सभामे हालसम २५ ठो विधेयक दर्ता करल बावै । जौन मध्ये १८ ठो पारित हुइल प्रदेश सभा सचिवालयसे जानकारी डेले बा । सात विधेयक विचाराधीन अवस्थामे रहल बावै । पारित कुल विधेयकमध्ये ४५ ठो मूल हुइना भर बाँकी संशोधन विधेयक रहल जनाइल बा ।

डोसर कार्यकालके प्रदेश सभासे छुटल कानुन बनैना ओ बिगरलहे सुढर्ना काम करटी रहल सभामुख भीमबहादुर भण्डारीके कहाइ रहल बा ।

उहाँ कहलै, "डुसरा कार्यकालमे सत्यात्मक रूपमे कम कानुन बन्लेसे फेन भूमिकाके हिसाबसे छुटल ओ आवश्यक कानुन बनल बावै । कानुन सत्या डेखाइक लाग नैहोके आवश्यकतामे आधारित होके बनाजाइठ् ।"

कानुन बनुइया आघेक प्रदेश सभा नै शून्य कानुनसे सुरु हुइल रहे । उ प्रदेश सभा कानुन बनैटी, सिख्टी आघे बह्ल रहे मने डुसरा कार्यकालके प्रदेश सभासे आवश्यक कानुन निर्माण कैना ओ पुरान आवश्यकतानुसार संशोधन कैना कार्य करले बा । कानुन दीर्घकालीन सोच राखके बनाइ पर्ना उल्लेख कैटी सभामुख भण्डारी कहलै, "मनैनके चाहना हाबी होके ठोरचे समस्या डेखगल बा मने भूमिकाके हिसाबसे जरुरी कानुन बनल बावै ।"

संघीय सरकारसे नै बनाइल कारण कतिपय अत्यावश्यक कानुन निर्माणमे प्रदेशमे समस्या हुइटी रहल बा । प्रदेशसे बना सेक्लेसे फेन संघसे नैबनाइबर कतिपय बनल कानुन फेन कार्यान्वयनमे आइ सेकल नैहो । सुदूरपश्चिम प्रदेशसे पहिलेहे प्रदेश प्रहरी ऐन बनैलेसे फेन प्रहरी ऐन संघसे नैबनाइबर ऐन कार्यान्वयनमे आइ सेकल नैहो । ओस्टके निजामती, शिक्षासम्बन्धी ऐनमे फेन अस्पष्टता रहल सभामुख (बाँकी ३ पेजमे)

स्माईल चौधरीसे प्रकाशित
सम्पादक : प्रेम चौधरी (९८४८४२२२०७)
कार्यकारी सम्पादक : **राम दहित** (९८४८४९४५१८)
भाषा सल्लाहकार : **दिलबहादुर चौधरी**
पहुना सम्पादक : **कृष्णराज सर्वहारी**
व्यवस्थापन सल्लाहकार : **राजकुमार चौधरी**
प्रधान कार्यालय: ध.न.पा.- ८, शिवनगर, कैलाली (नमस्ते सहकारी भवन)
मसुरिया शाखा: दिनेश दहित (९८१२६४१६०१)
पहलमानपुर शाखा: जीवन चौधरी (९८४७५०१८८७/९८२५६२९३०५)

प्रधान कार्यालय धनगढी
E-mail: dailypahura@gmail.com,
Website: pahura.com
मुद्रक : समैजी अफसेट प्रेस, बेहडी, धनगढी

उद्यमशीलताके आधार कृषि

विचार
✍ **डा. दीपकराज खनाल**

कृषिक्षेत्र नेपालके राष्ट्रिय अर्थतन्त्रके एक प्रमुख आधारस्तम्भके रूपमे स्थापित बा । आर्थिक सर्वेक्षण २०८०/८१ अनुसार कुल गार्हस्थ उत्पादन (जिडिपी) मे कृषिक्षेत्रके योगदान २४.० प्रतिशत बा । करिब ६२.० प्रतिशत परिवारके मुख्य जीविकोपार्जनके आधार कृषि पेसा बा । देशके कुल जनसंख्यामध्ये करिब ६७.० प्रतिशत जनसंख्या प्रत्यक्ष रूपमे कृषि परिवारमे आबद्ध रहल ओरसे कृषिक्षेत्रके सामाजिक तथा आर्थिक महत्वहे स्पष्ट रूपमे उजागर करठ । कृषि उत्पादन, उत्पादकत्व तथा उद्यमशीलताके विस्तारसे किल देशहे आत्मनिर्भर ओ समुन्नत बनाइ सेकि । सरकारसे सार्वजनिक करल आर्थिक वर्ष २०८३/८४ के नीति तथा कार्यक्रमसे कृषिक्षेत्रहे प्राथमिकतासाथ समोट्ना प्रयास करल बा ।

सरकार कृषिक्षेत्रहे परम्परागत जीविकोपार्जनके माध्यमसे सम्मानजनक तथा उद्यमशील पेसाके रूपमे रूपान्तरण करना लक्ष्य लेहल बा । कृषि उत्पादन वृद्धि, उत्पादन लागत न्यूनीकरण, आयात प्रतिस्थापन तथा खाद्यान्न आत्मनिर्भरताके लाग प्याकेजमे आधारित उत्पादन प्रणाली, यान्त्रिकीकरण, डिजिटल प्रविधि तथा 'एग्रिटेक' के प्रयोगहे विशेष जोड डेके नीति तयार करल बा । यिहिनसे कृषिक्षेत्रहे आधुनिक, प्रतिस्पर्धी ओ व्यवसायमुखी बनैना सहयोग पुगल बा । हाल वैदेशिक रोजगारीसे आइल युवाहे कृषिक्षेत्रमे आकर्षित करना टमान कार्यक्रम आघे सारल बा । कृषि उत्पादन, प्रशोधन उद्योग ओ बजार व्यवस्थापनहे एकीकृत रूपमे जोरना, ग्रामीण क्षेत्रमे रोजगारी सिर्जना करटि उत्पादनशील जनशक्तिहे देशभित्रे उपयोग करना अवसर प्रदान करल बा । युवालक्षित अइसिन कार्यक्रमसे कृषिक्षेत्रमे नयाँ प्रविधि ओ नवप्रवर्तन भित्रैनासमेत मद्दत करले बा ।

किसानके उत्पादनके समर्थन मूल्य निर्धारण कैके भुक्तानी प्रत्यक्ष बैंक खातामे उपलब्ध करैना व्यवस्थासे किसानहे उचित मूल्य प्राप्त करना तथा बिचौलियाके प्रभाव कम करना सहयोग पुगल बा । सहुलियतपूर्ण दरमे कृषि उपज खरिद, उत्पादित वस्तुके भण्डारण, ब्रान्डिङ ओ बजारीकरणसम्बन्धी नीतिसे कृषि व्यवसायहे थप व्यवस्थित बनैना सम्भावना बा । भूमि बैंकके अवधारणामार्फत बाँझो जमिनहे उत्पादनमे उपयोग करना ओ छोट तथा सीमान्तकृत किसानके पहुँच विस्तार करना प्रयास फेन सकारात्मक पक्ष हो । यिहिनसे कृषियोग्य भूमि संरक्षण तथा उत्पादन वृद्धि दुनुमे योगदान पुगाइ सेकि ।

कृषि बिमा, पशु बिमा, स्वास्थ्य बिमा तथा व्यावसायिक पशुपालनहे प्रोत्साहन करना नीतिसे कृषिक्षेत्रके जोखिम न्यूनीकरण करना महत्वपूर्ण भूमिका खेल्ले बा । विश्व परिवेशमे दिगो विकास ओ वातावरणीय संरक्षणहे कृषिनीतिमे उच्च प्राथमिकता डेहल बा । नेपाल सरकारसे जलाधार संरक्षण, वातावरणमैत्री कृषिप्रणाली तथा प्रविधिमैत्री कृषि अभ्यासमार्फत कृषिक्षेत्रहे हरित अर्थतन्त्रसँग जोरना नीति अवलम्बन करले बा । यिहिनसे कृषि उत्पादन वृद्धि किल नाइहो, प्राकृतिक स्रोतके संरक्षण ओ दिगो विकासके लक्ष्य हासिल करनासमेत सहयोग पुगाइल बा । विगतमे कृषिक्षेत्रसँग सम्बन्धित टमान नीति तथा कार्यक्रम घोषणा रलेसे फेन कार्यान्वयन पक्ष कमजोर होके अपेक्षित परिणाम हासिल हुइ नैसेकल । पर्याप्त बजेट, प्रभावकारी संस्थागत व्यवस्था, प्राविधिक जनशक्ति तथा अनुगमन प्रणालीमार्फत यी नीतिहे व्यवहारमे उतार्न संयन्त्र आवश्यक परठ । कृषिक्षेत्रके आधुनिकीकरण, व्यवसायीकरण ओ उद्यमशीलताके विकाससे किल नेपालके आर्थिक समृद्धि सम्भव बा । कृषिक्षेत्रमे लगानी, प्रविधि, बजार ओ युवा सहभागिता सुनिश्चित करे सेक्लेसे नेपाल आत्मनिर्भर ओ समृद्ध अर्थतन्त्र निर्माणओर आगे बह्रल बा ।

निजी लगानी आकर्षित

कृषिक्षेहे सरकार पुनः उच्च प्राथमिकतामे ढरल बा । पाछेक वर्षमे कृषि उत्पादनमे स्थिरता, युवाके वैदेशिक पलायन, बह्रल खाद्यान्न आयात तथा किसानके घटल आकर्षण जैसिन समस्यासे कृषिक्षेत्रसे गम्भीर चुनौती सामना करटिरहल अवस्थामे सरकारसे प्रस्तुत करल कार्यक्रमसे कृषिक्षेत्रहे व्यावसायिक, प्रतिस्पर्धी ओ लाभमुखी बनैना संकेत डेहल बा । कृषि उत्पादन, प्रशोधन, वितरण ओ बजारीकरणहे एक मूल्य शृंखलाभित्रे समोटके सुधार करना सरकारके प्रतिबद्धता सकारात्मक बा ।

विशेष कैके कृषि तथा पशुजन्य उत्पादनमे दुई करोड रुपियाँसम लगानी करना किसानहे ४० प्रतिशतसम प्रोत्साहन अनुदान डेना घोषणा कृषिमे निजी लगानी आकर्षित करना महत्वपूर्ण प्रयास हो । कृषि उत्पादन वृद्धि तथा किसानहे आवश्यक परना रासायनिक मल उपलब्ध करैना उद्देश्यसे सरकार रासायनिक मल खरिदके लाग बजेटमे उल्लेख्य वृद्धि करल बा । आगामी आवके लाग रासायनिक मल खरिदमे किल ३२ अर्ब ४६ करोड रुपियाँ विनियोजन करल बा । सरकारसे मुख्य बाली लगैना समयमे मल अभाव हुइ नैडेना आपूर्ति तथा वितरण व्यवस्था थप प्रभावकारी बनैना नीति अवलम्बन करल बा । यकर लाग रासायनिक मल आपूर्ति क्यालेन्डर तयार कैके ओहे अनुसार खरिद, ढुवानी ओ वितरण प्रक्रिया सञ्चालन करना बजेटमे उल्लेख बा । यी व्यवस्थासे किसानहे आवश्यक समयमे मल उपलब्ध करैना सहयोग पुग्न, कृषि उत्पादन लागत व्यवस्थापनमे सहजता अइना तथा समग्र कृषि उत्पादन वृद्धि करना महत्वपूर्ण योगदान पुग्न अपेक्षा करल बा । यिहिनसे व्यावसायिक कृषि फार्म स्थापना, आधुनिक प्रविधिके प्रयोग तथा उत्पादन विस्तारमे सहयोग पुगल बा ।

कृषि तथा पशु बिमामे ८० प्रतिशतसम प्रिमियम अनुदान डेना व्यवस्थासे किसानहे प्राकृतिक विपत्ति ओ उत्पादन जोखिमसे सुरक्षित बनैना मद्दत करल बा । विगतमे अनुदान वितरणमे डेखाइल अनियमितता ओ पहुँचवालाके प्रभावहे नियन्त्रण करे नैसेक्ना अइसिन कार्यक्रमके वास्तविक लाभ लक्षित किसानसम पुग्न कठिन बा । सिँचाइ क्षेत्रहे डेहल प्राथमिकता फेन कृषि उत्पादन वृद्धि करना दृष्टिसे महत्वपूर्ण बा । भारी तथा निर्माणाधीन सिँचाइ आयोजना सम्पन्न करना ओ छोट तथा मझौला सिँचाइ योजना विस्तार करना चुनौती कोष स्थापना करना नीति उत्पादनशील जमिनके उपयोग बह्रैना सहायक बने सेकि । नेपालमे अभिन भारी क्षेत्रफल खेतीयोग्य जमिन वर्षाके भरमे निर्भर रहल ओरसे भरपरना सिँचाइ प्रणालीबिना कृषिमे आधुनिकीकरण सम्भव नैहो । बजेटके प्रभावकारिता आयोजनाके समयमे सम्पन्नता ओ स्थानीय तहके कार्यक्षमतामे निर्भर रहल बा ।

> पूर्वाधार विकाससँगे पानीके आधुनिक, दक्ष ओ प्रविधिमैत्री जल व्यवस्थापनहे कृषिनीतिके केन्द्रविन्दु बनैना आवश्यक बा । कृषिक्षेत्रहे सरकारी घेरासे बाहिर निकाली निजी क्षेत्र, सहकारी ओ उद्यमीके सक्रिय साझेदारीमे उत्पादन, प्रशोधन, भण्डारण, 'ब्रान्डिङ' ओ मूल्य शृंखला विकास करटि अन्तर्राष्ट्रिय बजारसँग जोरे परठ । अनुदान वितरण प्रणालीहे राजनीतिक पहुँचके आधारमे नैहोके उत्पादकत्व, रोजगारी सिर्जना ओ व्यावसायिक उपलब्धिके आधारमे पारदर्शी बनाइ परठ । कृषिनीति ओ बजेटहे अनुसन्धानमुखी, जल-दक्ष, बजारकेन्द्रित ओ प्रविधिमैत्री बनाइ सेक्लेसे किल राष्ट्रिय अर्थतन्त्र बलगर बा । कृषि विकासके असली सफलता बजेटके आकारमे से फेन यकर गुणस्तरीय उपयोग, वैज्ञानिक योजना ओ इमानदार कार्यान्वयनमे निर्भर रहठ ।

सरकारसे किसानसे प्रत्यक्ष कृषि उपज खरिद करना व्यवसायहे सहुलियतपूर्ण ऋण तथा ब्याज अनुदान उपलब्ध करैना व्यवस्था फेन करल बा । यिहिनसे किसान ओ बजारबिचके दुरी घटैना, बिचौलियाके प्रभाव कम करना तथा उत्पादनके उचित मूल्य सुनिश्चित करना मद्दत पुगठ । अर्गानिक, उच्च मूल्य तथा भौगोलिक संकेत प्राप्त कृषि उत्पादनके प्रशोधन ओ 'ब्रान्डिङ' मे सहयोग करना नीतिसे नेपाली कृषि उत्पादनहे अन्तर्राष्ट्रिय बजारमे प्रतिस्पर्धी बनैना सहयोग फेन पुगल बा ।

कृषिसेवा प्रणालीहे किसानकेन्द्रित बनैना, डिजिटल सूचना प्रणाली विस्तार करना तथा अनुसन्धान तथा विकासहे प्राथमिकता डेना कार्यक्रम दीर्घकालीन दृष्टिसे और महत्वपूर्ण बा । उन्नत बिउ विकास, स्थानीय हावापानीअनुकूल जातके खोज, जैविक प्रविधिके प्रयोग तथा उत्पादकत्व वृद्धिसम्बन्धी अनुसन्धानसे कृषिक्षेत्रके दिगो विकासमे टेवा पुगे सेकि ।

सरकारसे कृषिक्षेत्रहे उत्पादन वृद्धि किल नाइहोके आयआर्जन, रोजगारी सिर्जना ओ आयात प्रतिस्थापनके माध्यमके रूपमे विकास करना स्पष्ट संकेत डेहल बा । नीति ओ कार्यक्रमके सफलता बजेट विनियोजनसे ढेर प्रभावकारी कार्यान्वयन, पारदर्शिता, अनुगमन तथा वास्तविक किसानसम सेवा ओ सुविधा पुगैना क्षमतामे निर्भर रहठ । कृषिक्षेत्रके रूपान्तरणके लाग घोषणासे परिणाममुखी कार्यान्वयन आबके प्रमुख परीक्षा रहि ।

यी वर्षके कृषिनीति ओ बजेटबिच प्रत्यक्ष सम्बन्ध बा । दुई करोड रुपियाँसम लगानी करना किसानहे ४० प्रतिशतसम प्रोत्साहन अनुदान डेना घोषणा बा । यकर अर्थ सरकार व्यावसायिक कृषि विस्तार करना नीतिहे बजेटीय स्रोतमार्फत समर्थन करे खोजल बा । कृषि तथा पशु बिमामे ८० प्रतिशतसम प्रिमियम अनुदान डेना व्यवस्था जोखिम न्यूनीकरणके नीतिसँग जोरल बा । भारी सिँचाइ आयोजना सम्पन्न करना ओ साना तथा मझौला सिँचाइ योजनाके लाग चुनौती कोष स्थापना करना कार्यक्रम उत्पादन वृद्धि ओ कृषि आधुनिकीकरणके लक्ष्यसँग सम्बन्धित बा ।

सुझाव

नेपालमे सीमित खेतीयोग्य जमिन, सिँचाइ अभाव ओ प्राकृतिक चुनौती रलेसे फेन प्रविधि, नवप्रवर्तन ओ बजार व्यवस्थापनमार्फत कृषिहे आर्थिक रूपान्तरणके जग बनाइ सेक्ना सम्भावना बा । यकर लाग विद्यमान कृषिनीति तथा बजेट प्रणालीहे वितरणमुखीसे परिणाममुखी ओ दीर्घकालीन विकासओर केन्द्रित करे परठ । हालके परम्परागत अनुदानमुखी खर्च कटौती करटि वैज्ञानिक अनुसन्धान, डिजिटल सेवा ओ प्रविधि हस्तान्तरणमे लगानी बह्रैना आवश्यक बा । कृषि अनुसन्धान परिषद् (नार्क), विश्वविद्यालय ओ स्थानीय सरकारबिच बलगर समन्वय कायम कैके अनुसन्धानके उपलब्धिहे सोझे किसानके खेतबारीसम पुगैना संयन्त्र निर्माण करे परठ ।

पूर्वाधार विकाससँगे पानीके आधुनिक, दक्ष ओ प्रविधिमैत्री जल व्यवस्थापनहे कृषिनीतिके केन्द्रविन्दु बनैना आवश्यक बा । कृषिक्षेत्रहे सरकारी घेरासे बाहिर निकाली निजी क्षेत्र, सहकारी ओ उद्यमीके सक्रिय साझेदारीमे उत्पादन, प्रशोधन, भण्डारण, 'ब्रान्डिङ' ओ मूल्य शृंखला विकास करटि अन्तर्राष्ट्रिय बजारसँग जोरे परठ । अनुदान वितरण प्रणालीहे राजनीतिक पहुँचके आधारमे नैहोके उत्पादकत्व, रोजगारी सिर्जना ओ व्यावसायिक उपलब्धिके आधारमे पारदर्शी बनाइ परठ । कृषिनीति ओ बजेटहे अनुसन्धानमुखी, जल-दक्ष, बजारकेन्द्रित ओ प्रविधिमैत्री बनाइ सेक्लेसे किल राष्ट्रिय अर्थतन्त्र बलगर बा । कृषि विकासके असली सफलता बजेटके आकारमे से फेन यकर गुणस्तरीय उपयोग, वैज्ञानिक योजना ओ इमानदार कार्यान्वयनमे निर्भर रहठ ।

(खनाल राष्ट्रिय बिमा कम्पनी लिमिटेडके मुख्य व्यस्थापक हुइटैं ।)
साभार: गोरखापत्र दैनिकसे

'कुन्चा' सरलेसे फेन अध्यागमन कार्यालय खलङ्गामे

पहुरा समाचारदाता

दार्चुला, २७ जेठ । विगतमे सौका समुदायके 'कुन्चा' सँगे छाङ्गु सर्ना करल साविकके सीमा प्रशासन कार्यालय हालके अध्यागमन तथा सीमा प्रशासन कार्यालय टिङ्कर सदरमुकाम खलङ्गामे रहल बा ।

साविकके सीमा प्रशासन कार्यालय वैशाखके पहिल अँठ्वार सौका समुदायके 'कुन्चा' सँगे व्यास गाउँपालिका–१ छाङ्गुमे सर्ना करल रहे । मने तत्कालीन मन्त्रिपरिषद्के बैठकसे २०८१ कात्तिक ८ गते सीमा प्रशासन कार्यालय व्यास छाङ्गु, दार्चुला खारेज कैटी अध्यागमन तथा सीमा प्रशासन कार्यालय नामकरण करलपाछे ओट्ठनले यहोर कार्यालय सदरमुकाम खलङ्गामे रहल अध्यागमन तथा सीमा प्रशासन कार्यालय टिङ्करके निमित्त कार्यालय प्रमुख गोपालसिंह बोहरा जानकारी डेलै ।

आर्थिक बरस २०८०/८१ सम उक्त कार्यालय गर्मीके ६ महिना छाङ्गु ओ हिउँदके ६ महिना सौका समुदायसँगे खलङ्गा सर्ना करल उहाँ बटैलै । बसाइँसराइहे सौका समुदायके भाषामे 'कुन्चा' सर्ना कहिजाइठ् ।

साविकके कार्यालय खारेज कैके अध्यागमन तथा सीमा प्रशासन कार्यालय नामकरण हुइलपाछे कार्यालय खलङ्गामे रहल उहाँ बटैलै ।

कार्यालय लगातार दुई बरससम छाङ्गु नैसरलपाछे छाङ्गुस्थित कार्यालय प्रयोजनके लाग भाडामे लेहल घरसमेत गत सावनमे खाली करल उहाँ जानकारी डेलै ।

२०४१ सालमे स्थापना हुइल सीमा प्रशासन कार्यालयसे बहुयात्रा अनुमति पत्र जारी कैनाके साथे सीमावर्ती क्षेत्रमे घटल मुख्य घटनाके विवरण हरेक महिना गृह मन्त्रालयमे पठैना करल उहाँके कहाइ रहल बा ।

कार्यालयसे वैशाख महिनामे २५७ जाने महिला ओ ७१० जाने पुरुष भारतके डगरा हुइटी व्यास गाउँपालिका–१ छाङ्गु ओ टिङ्करगाउँसम जैना बहुयात्रा अनुमति पत्र लेहल निमित्त कार्यालय प्रमुख बोहरा जानकारी डेलै ।

व्यास गाउँपालिका–१ के वडा अध्यक्ष अशोक बोहरा अध्यागमन तथा सीमा प्रशासन कार्यालय नामकरण करलपाछे कार्यालय खलङ्गामे रहेबर स्थानीयहे सेवा लेना समस्या हुइल बटैलै । साविकके सीमा प्रशासन कार्यालयहे खारेज कैके अध्यागमन कार्यालय नाउँ रख्लेसे फेन कार्यालय स्थापना टिङ्करमे नैहोके सेवा प्रवाहमे समस्या हुइटी रहल उहाँके कहाइ रहल बा ।

उहाँ कहलै, "सरकारसे टिङ्कर नाकाहे वैधानिक रूपमे खोले परल, टब किल अध्यागमन कार्यालय स्थापना कैना सार्थक हुइ ।"

हाल उक्त कार्यालय खलङ्गास्थित जिल्ला प्रशासन कार्यालयके पुरान भवनमे राखल बा । दार्चुला उद्योग वाणिज्य सघके अध्यक्ष सुरेशसिंह थापा चीनसँगके नाकामे अध्यागमन कार्यालय स्थापना कैना लक्ष्य सरकारस रख्ना जिल्लावासी ओ व्यापारीके लाग खुसीके बात रहल बटैलै । उहाँ कहलै, "सरकारसे इ कार्यालयहे यथाशिघ्र टिङ्करमे राखे परल ।"

यहोर दार्चुलाके सहायक प्रमुख जिल्ला अधिकारी मोहनसिंह धामी टिङ्करमे अध्यागमन कार्यालय स्थापना करक लाग उप्पर निकायसे कौनो मेरके जानकारी प्राप्त नैहुइल बटैलै ।

कार्यालयसे नियमित काम करटी रहल तथा टिङ्करमे कार्यालय स्थापना कैना विषयमे कौनो निर्देशन नैआइल उहाँ स्पष्ट पारल रहिट ।

मापदण्डके मसौदा मन्त्रीपरिषद्से स्वीकृत

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, २७ जेठ । स्थानीय तहके सङ्गठन तथा व्यवस्थापन सर्वेक्षण मापदण्ड २०८३ के मसौदाहे सुदूरपश्चिम प्रदेशके मन्त्रीपरिषद्से स्वीकृत कैना निर्णय करले बा । मुख्यमन्त्री कमलबहादुर शाहके अध्यक्षतामे सोम्मारके बैठल मन्त्रीपरिषद्के बैठकसे मसौदा स्वीकृत कैना निर्णय करल हो ।

स्थानीय तहके सङ्गठन तथा व्यवस्थापन सर्वेक्षण मापदण्ड बनलपाछे प्रदेशके सक्कु स्थानीय तहहे आवश्यक जनशक्तिके लाग अपनहे दरबन्दी निर्धारण करे सेक्ना डगरा खुल्ना जनाइल बा ।

इहे बिच मन्त्रीपरिषद् बैठकमे मुख्यमन्त्री शाह अब्बेसम मन्त्रीमण्डलमे रहीके साथ डेहलमे मन्त्रीहे धन्यवाद ज्ञापन करल रहिट ।

डिवश ड्राईभिङ सेन्टर
दक्ष चालक बन्ना सक्कु सैद्धान्तिक तथा व्यवहारिक ज्ञान देना प्रयास हमार, सफलता अपनेन्के ।
सीप सिकी, स्वरोजगार बनी
विद्यार्थी ओ ग्रुपमे अउईयाहुक्रनहे विशेष छुटसहित...
हमार यहाँ दक्ष प्रशिक्षकहुक्रनसे मोटर साईकल, स्कुटी, कार, जीप ग्यारेन्टीके साथ ड्राईभिङ सिखैनाके साथे फोटोग्राफीके सुविधा समेत उपलब्ध बा ।
नोट: साथे दुरसे अउईया विद्यार्थीनके लाग बैठ्ना व्यवस्था समेत उपलब्ध बा । समयमे सक्कु सिकारु विद्यार्थीहुक्रनहे सम्पर्क कैना सहर्ष जानकारी कराइटी ।
धनगढी, चटकपुर कैलाली फोनं. ०९१-४१०२३७ मो.९८४८४३९६८५

पाठकवर्गसे अनुरोध

प्रिय पाठकवर्ग, पहुरा मिडिया प्रालिसे सन्चालित पहुरा दैनिक ओ पहुरा अनलाइनमे हमार सकेसम थारुपन लन्ना कोशिश जारी बा । विचार पेजमे थारु लगायट अन्य जनजातिनके आवाज हमार पहिला प्राथमिकता हो । अपन मनेम लागल उकुसमुकुस बाट अपनेनके फे लिख्के पठाइ सेक्ठि । अपनेक विचार लम्मा हुइ परठ कना नइ हो । आइ कलम पक्रि, अपन मनक बाट ढेरसे ढेन जनहन बाँटि । पहुरा अनलाइनमार्फत अपन बाट संसार भर पुगाइ । *–सम्पादक*

जरुरी टेलिफोनके प्रायोजक:

हमार यहाँ बोइलर मुर्गीनके मासु सुपथ मोलमे मिलठ । सेवा कर्ना मौका अवश्य देहबी ।
नोट : भोजविहा, व्रतवन्धके लाग होम डेलिभरीके सुविधा बा ।
प्रो.रमेश चौधरी
केभी मासु पसल
बैयाबेहडी चौक, धनगढी कैलाली शारद उमावि लगगे
मो. ९८११६३५६८०

एक्बुलेन्स नम्बर
९८२४६८९६१७, ९८५८४२७०१८,
९८१४६०८०५६,
९८१४६८०००६८,९८१४६६०२८५

प्रहरी
अञ्चल प्रहरी कार्यालय ०९१- ५२१३०१
जिल्ला प्रहरी कार्यालय ०९१-५२११५०,१००
वडा प्रहरी कार्यालय ०९१-५२१२९९,११०
ईप्रका अत्तरीया ०९१-५५०१२२
त्रिनगर प्रहरी चौकी ०९१-५२११८३
जिल्ला प्रहरी कार्यालय ०९१-५२११५३
ईप्रका मसुरिया ०९१-४०२०१४
ईप्रका चौमाला ०९१-६९२५७१
ईप्रका लम्की ०९१-५४०१९९
ईप्रका भजनी ०९१-५८०१९९
ईप्रका सुख्खड ०९१-५२९१६६
ईप्रका मालाखेती ०९१-५५०१२२
ईप्रका फल्टुरे ०९१-६९०३३०
ईप्रका हसुलिया ०९१-५२९१४५
ईप्रका पाण्डौन ९७४९०१४९०५
सिमा प्रहरी चौकी बहुलिया ०९१-५२९२०६
ईप्रका टीकापुर०९१-५६०१९९
स.प्र.वल सिमासुरक्षा धनगढी ५२६९२८

बैक
नेपाल राष्ट्र बैक ०९१-२१३२२
नवजिवन बैक ०९१-५२३६५३
कृषि विकास बैक ०९१-५२९२३५
मालिका विकास बैक०९१-५२३७३८
बैक अफ काठमाण्डौ ०९१-५२३३८६
बैक अफ एसिया ०९१-५२५६५०
नेपाल बग्लादेश बैक ०९१-५२१७८५
सिटिजन बैक ०९१-५२७४८५
कुमारी बैक ०९१-५२६०३८
सनराईज बैक ०९१-५२४८५०
नेपाल ईन्भेसमेन्ट बैक०९१-५२३७०६
एनएमबी बैंक लि.०९१-५२१२१६

सरकारी कार्यालय
जिल्ला प्रशासन .०९१-५२११०१
जिल्ला विकास .०९१-५३२५६०
नगरपालीका .०९१-५२१४२९
मालपोत.०९१-५२१२०१, नापी शाखा.०९१-५६०४०२
कृषि विकास .०९१-५२२२५५, भूमि सुधार.०९१-५२१२२४
जिल्ला हुलाक.०९१-५२११५२, नेपाल बाल संगठन: ५२३६६५

अस्पताल
सेती अञ्चल.०९१-५२१२७१
नवजिवन ०९१- ५२१२३३/५२१७३३
विजय मेडिकल हल धनगढी ०९१-५२३४३५
पद्मा धनगढी ०९१-५५०३५५
सेवा नर्सिङ होम अत्तरीया ०९१-५५०७९७
एम्बुलेन्स मसुरिया ९७४९०१८०८१
घोडाघोडी अस्पताल सुखड०९१-६९४७०७
टीकापुर अस्पताल ०९१-५६०१५०
दमकल १०१
नेपाल रेडक्रस सोसाईटी ०९१-५२१३३३
कैलाली उ.बा.संघ ५२१२३७, ५२३९७१
एम्बुलेन्स : ५२१६००
सामुदायिक एम्बुलेन्स सेवा टीकापुर ९८४८५५७५४०
विद्युत : ५२११४५
दिनेश मेटल ०९१-५२१३९२

होटल
डिभोटी ०९१-५२३९१८/५२५९३१
जगदम्बा०९१-५२३५९०, बिद्या०९१-५२३२७३
तरूण ०९१-५२४६९३, सनलाईट०९१-५२१५३६
वर्ल्ड लिंक धनगढी :५२०१५१
ज्ञानुप्लाजा०९१-५२२८३०/५२७१९०
नेपाल पत्रकार महासंघ :५२७१२२

शैक्षिक संस्था
कैलाली बहुमुखी क्याम्पस ०९१-५२१२२३
सुदूरपश्चिमाञ्चल क्याम्पस ०९१-५२३१९२
ऐश्वर्य बहुमुखी क्याम्पस ०९१-५२१०७९

राजनैतिक पार्टी
नेपाली कांग्रेस कार्यालय : ५२४११५
नेकपा (एमाले) कार्यालय : ५२१०१०
बसपार्क काउण्टर धनगढी : ०९१-५२१२५२

एफ.एम
दिनेश एफ एम ९३.८ मेगाहर्ज धनगढी: ०९१-५२६७०१

निसर्ग अस्पतालमे सामाजिक सुरक्षा कोषके सुविधा

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, २७ जेठ । सामाजिक सुरक्षा कोषमे आवद्ध श्रमिक तथा योगदानकर्ताहुक्रे धनगढीस्थित निसर्ग हस्पिटल एण्ड रिसर्च सेन्टर प्रा.लि. सेफे कोष अन्तर्गतके उपचार सुविधा प्राप्त करे सेक्ना हुइल बटै ।

गुणास्तरीय स्वास्थ्य सेवासंगे सामाजिक सुरक्षा कोषके सुविधा उपलब्ध हुइलपाछे सुदूरपश्चिमके हजारौं श्रमिक तथा उहाँक परिवार लाभान्वित हुइना अपेक्षा करल बा ।

निसर्ग अस्पतालके प्रशासन प्रमुख रामप्रसाद ओझाके अनुसार सामाजिक सुरक्षा कोषमे सूचीकृत व्यक्तिहुकनहे अस्पतालमार्फत उपचार सेवा प्रदान करटी आइल बा । यी व्यवस्थासे योगदानकर्ताहुकनहे उपचार खर्चके आर्थिक भार कम कैना महत्वपूर्ण सहयोग पुग्न विश्वास लेहल बा ।

सामाजिक सुरक्षा कोषमे नियमित योगदान करटी रहल व्यक्तिहुक्रे निसर्ग अस्पतालमे उपचार कराईबेर तोकल मापदण्डअनुसार उपचार खर्चके ८० प्रतिशत रकम कोषसे ओ २० प्रतिशत रकम स्वयं सेवाग्राहीसे व्यहोरेपर्ना व्यवस्था रहल बा ।

कोष अन्तर्गत औषधि उपचार तथा स्वास्थ्य सुरक्षा योजनामे आबद्ध

योगदानकर्तासे एक वर्षमे अधिकतम एक लाख रुप्यासम उपचार सुविधा प्राप्त करेसेक्ना व्यवस्था बा । यी सुविधा प्राप्त कैना योगदानकर्तासे कम्तीमे तीन महिना नियमित रूपमे कोषमे योगदान करल हुई परठ ।

अस्पतालसे उपचार सेवा लेहलपाछे चिकित्सकके प्रेस्क्रिप्सन, औषधि तथा उपचारसम्बन्धी सक्कल बिल, सामाजिक सुरक्षा कोषके परिचयपत्रलगायत आवश्यक कागजात पेश करके दाबी प्रक्रिया पूरा करे सेक्जाई ।

सामाजिक सुरक्षा कोषसे औषधि उपचार तथा स्वास्थ्य सुरक्षासंगे मातृत्व सुरक्षा, दुर्घटना तथा अशक्तता सुरक्षा, आश्रित परिवार सुरक्षा तथा उपदान सुविधा समेत उपलब्ध करैटी आइल बा ।

मातृत्व सुरक्षा योजनाअन्तर्गत महिला योगदानकर्तासे सुत्केरी हुईबेर आर्थिक सुविधा प्राप्त कैना व्यवस्था बा कलेसे दुर्घटना तथा अशक्तता सुरक्षा योजनाअन्तर्गत रोजगारीजन्य दुर्घटना वा व्यवसायजन्य रोगके कारण प्रभावित श्रमिकहे उपचार तथा आर्थिक सहायता उपलब्ध कराजाइठ ।

अस्पताल प्रशासनके अनुसार सामाजिक सुरक्षा कोषके सुविधा प्रभावकारी रूपमे कार्यान्वयन हुइलपाछे श्रमिक वर्गसे गुणस्तरीय स्वास्थ्य सेवा सहज रूपमे प्राप्त करे सेक्ही । उपचार खर्चके भारी हिस्सा कोषमार्फत उपलब्ध हुइना ओरसे बिरामी ओ परिवारउप्परके आर्थिक भार समेत कम हुइना विश्वास लेहल बा ।

धनगढीमे सञ्चालनमे रहल १०० शैयाके निसर्ग हस्पिटल एण्ड रिसर्च सेन्टरसे सुदूरपश्चिमके बिरामीहे विशेषज्ञ तथा सुपर-स्पेसियालिटी स्वास्थ्य सेवा प्रदान करटी आइल बा ।

अस्पतालमे अत्याधुनिक आईसीयू, एनआईसीयू, २४सै घण्टा आकस्मिक सेवा, शल्यक्रिया सेवा, प्रसूति तथा स्त्रीरोग सेवा, बालरोग सेवा, हाडजोर्नी तथा मेरुदण्ड उपचार सेवा, न्यूरो तथा नसा रोग उपचार, जनरल फिजिसियन तथा क्रिटिकल केयर सेवा लगायतके सुविधा उपलब्ध बटै ।

दक्ष चिकित्सक, अनुभवी स्वास्थ्यकर्मी तथा आधुनिक उपकरणमार्फत गुणस्तरीय उपचार सेवा प्रदान करटी आइल निसर्ग अस्पतालसे सामाजिक सुरक्षा कोषके सुविधा समेत उपलब्ध कराई लागलपाछे सुदूरपश्चिमके नागरिकहे थप सहज, सुलभ ओ भरपर्दो स्वास्थ्य सेवा प्राप्त हुइना अपेक्षा करल बा । अस्पताल प्रशासनसे सामाजिक सुरक्षा कोषमे आबद्ध सक्कु योगदानकतहि अपनहे पैना स्वास्थ्य सुरक्षा सुविधाके पूर्ण उपयोग कैना तथा आवश्यकता परेबेर निसर्ग अस्पतालसे सेवा लेना आग्रह करले बा ।

धनगढी उपमहानगर...

२६, मानविकीओ २, शिक्षाओर १ ओ कानूनओर १ जाने करके कुल ३५८ जाने विद्यार्थी छात्रवृत्तिके लाग छनोट हुइल बटै ।

धनगढी उपमहानगरपालिकासे संस्थागत विद्यालयमे उपलब्ध छात्रवृत्ति कोटामे विगतमे प्रतिस्पर्धात्मक परीक्षा प्रणालीमार्फत विद्यार्थी छनोट करटी अइलेसेफे यी वर्ष भर एसईईके नतिजाके आधारमे छात्रवृत्ति प्रदान करल जनैले बा ।

उपमहानगरपालिकाके अनुसार यी कार्यक्रमसे आर्थिक रूपमे विपन्न, जेहेन्दार तथा अवसरसे वञ्चित विद्यार्थीहे गुणस्तरीय शिक्षामे पहुँच विस्तार कैना महत्वपूर्ण भूमिका खेलल बा । साथे उच्च माध्यमिक तहके अध्ययनमे प्रोत्साहन कैनाके साथे शैक्षिक अवसरके समानता कायम कैनाफे कार्यक्रम प्रभावकारी बन्टी गैल जनैले बा ।

उपमहानगरपालिकासे आगामी वर्षमे समेत छात्रवृत्ति कार्यक्रमहे निरन्तरता डेटी अभिन प्रभावकारी रूपमे सञ्चालन कैना जनैले बा ।

अन्तर्राष्ट्रिय

फिलिपिन्समे भूकम्पमे परके मृत्यु हुइनाके संख्या ४५ पुगल

काठमाडौं, २७ जेठ । फिलिपिन्सके मिन्डानाओके दक्षिणी तटमे सोम्मारके राज आइल ७.८ म्याग्निच्युडके भूकम्पके कारण कम्तीमे ४५ जहनके मृत्यु हुइल राष्ट्रिय विपद् जोखिम न्यूनीकरण तथा व्यवस्थापन परिषद् (एनडिआरआरएमसी) बुधके रोज जनैले बा । एनडिआरआरएमसीके अनुसार अभिन १७ जाने बेपत्ता रहल बटैं कलेसे ४८७ घाहिल हुइल बटैं ।

एनडिआरआरएमसीसे भूकम्पके कारण ३३ हजारसे ढेर घरपरिवारके लगभग एक लाख ५० हजार मनैन्हे असर करल बताइल बा । भूकम्पसे अस्पताल, विद्यालय ओ पुल लगायतके २३८ ठो पूर्वाधार सुविधा क्षतिग्रस्त हुइल एनडिआरआरएमसी जनैले बा ।

मिन्डानाओके अधिकांश भाग ओ मध्य फिलिपिन्सके कुछ भागमे कम्पन महसुस करल ओ मुख्य झट्का पाछे १७०० से ढेर पराकम्प रेकर्ड करल जनाइल बा कलेसे प्रभावित क्षेत्रमे खोजी तथा उद्धार कार्य अभिन जारी रहल जनाइल बा ।

भूकम्पसे हताहत, विस्थापन, ओ पूर्वाधारके क्षतिके सन्दर्भमे सबसे ढेर प्रभावित क्षेत्र सारंगनी ओ दक्षिण कोटाबातो प्रान्त हो, वहाँ लगभग सात लाख जनसंख्या रहल एनडिआरआरएमसी जनैले बा ।

फिलिपिन्स इन्स्टिच्युट अफ भोल्कानोलोजी एन्ड सिसमोलोजीके अनुसार स्थानीय समय अनुसार बिहान ७:३७ मे ३३ किलोमिटर गहिराइमे भूकम्प गैल रहे ओकर केन्द्र-बिन्दु मिन्दानाओ टापुके सारंगनी प्रान्तके मासिम सहरके तटसे ३२ किलोमिटर दक्षिणपश्चिममे रहे ।

एक सय त्रिसठ्ठी...

भण्डारी उल्लेख करलै ।

प्रदेश सभासे बनल ऐन सुदूरपश्चिम प्रदेश सभासे पाछेकचो मूल ऐनमे सुदूरपश्चिम प्रदेश स्थानीय सेवा (गठन तथा सञ्चालन) ऐन, २०८१, प्रदेश सामयिक राजस्व सङ्कलनसम्बन्धी ऐन, २०८१ निर्माण करले बा । उहीसे आघे सुदूरपश्चिम प्रदेश सवारी तथा यातायात व्यवस्था ऐन, २०७९, सुदूरपश्चिम प्रदेश प्रहरी ऐन, २०७९, सुदूरपश्चिम प्रदेश निजामती ऐन, २०७९, सुदूरपश्चिम प्रदेश आर्थिक कार्यविधि तथा वित्तीय उत्तरदायित्व ऐन, २०७९ लगायतके ऐन निर्माण करल रहे ।

सौर्य ऊर्जासे ओजरार खयरकन्द्रा होमस्टे

पहुरा समाचारदाता

कञ्चनपुर, २७ जेठ । पर्यावरणमैत्री पर्यटन प्रवर्द्धन तथा ग्रामीण समुदायके आयआर्जनमे टेवा पुगैना उद्देश्यसे शुक्लाफाँटा नगरपालिका-३ जोनापुरस्थित खयरकन्द्रा सामुदायिक घरबास (होमस्टे)मे सौर्य ऊर्जासे सञ्चालन हुइना ब्याकअप प्रणाली जडान करल बा ।

विद्युत् आपूर्तिमे हुइना अवरोधकाबीच फेन पर्यटकहे निरन्तर सेवा उपलब्ध करैना सहज हुइल बा । शुक्लाफाँटा नगरपालिका, 'कनेक्ट' परियोजनाके साझेदारी तथा हिमाली प्रकृतिके समन्वयमे आठठो होमस्टे घरमे सोलार 'ब्याकअप' प्रणाली जडान करल हो ।

कनेक्ट परियोजनाके टिम लिडर मनोजप्रसाद ओझाके अनुसार आठ घरमे प्रणाली जडान कैना रु सात लाख ५९ हजार ५२० खर्च हुइल बा । प्रतिघर रु ९४ हजार ९४७ के दरसे सोलार प्रणाली जडान करल उहाँ बटैलै ।

हिमाली प्रकृतिके प्राविधिक सुपरभाइजर पुरनसिंह ठगुन्ना सौर्य ऊर्जाके प्रयोगसे नवीकरणीय ऊर्जा प्रवर्द्धन, जीविकोपार्जनमे सुधार तथा होमस्टेके स्तरोन्नतिमे महत्वपूर्ण योगदान पुगल बटैलै । "ग्रामीण पर्यटनहे दिगो ओ वातावरणमैत्री बनाइक लाग सौर्य ऊर्जाके प्रयोग प्रभावकारी माध्यम हो", उहाँ कहलै ।

होमस्टे सञ्चालक खुशीराम चौधरी सोलार ब्याकअप प्रणाली जडान हुइलपाछे बत्ती जैना समस्यासे मुक्त हुइल बटैलै । "पहिले विद्युत् अवरुद्ध हुइबर पर्यटकहे असहज होए, अब्बे होमस्टेमे बैठे अउइया आन्तरिक तथा बाह्य पर्यटकहे कोठामे बत्ती, पत्त, 'मोबाइल चार्जिङ' ओ अन्य आधारभूत सेवा निरन्तर उपलब्ध कराइ सेक्ना हुइल बटी", उहाँ कहलै । इहीसे पर्यटकके बसाइहे थप सहज ओ आकर्षक बनाइल उहाँके अनुभव रहल बा ।

स्थानीय टिकुराम डगौरा ग्रामीण क्षेत्रमे विद्युत् आपूर्तिमे कबुकाल अइना अवरोधसे पर्यटन व्यवसाय प्रभावित हुइना करल रहे । सौर्य प्रणाली जडानपाछे होमस्टे ऊर्जाके वैकल्पिक स्रोतसँग जोरल बटै । जिहीसे सेवा प्रवाहहे भरपर्दो बनैले बा ।

सौर्य ऊर्जाके प्रयोगसे विद्युत् खर्च घटैना, कार्बन उत्सर्जन कम कैना तथा वातावरण संरक्षणमे योगदान पुगैना अनुगमनमे पुगल शुक्लाफाँटा नगरपालिकाके नगरउपप्रमुख कल्पना पन्त बटैलै । "विशेष कैके प्रकृति ओ पर्यावरणमे आधारित होमस्टे तथा ग्रामीण पर्यटन क्षेत्रमे अइसीन प्रणालीसे दिगो पर्यटनके अवधारणाहे बल पुगैना विश्वास करले बटी", उहाँ कहलै ।

खयरकन्द्रा सामुदायिक होमस्टे शुक्लाफाँटा राष्ट्रिय निकुञ्जस आसपासके क्षेत्रके संस्कृति, परम्परा ओ प्राकृतिक सौन्दर्यसँग परिचित करैना गन्तव्यके रूपमे परिचित रहल बा ।

सौर्य ऊर्जामा आधारित पूर्वाधार विस्तारसँगे यहाँके पर्यटकीय सेवा ओ आकर्षण थप सुदृढ हुइना अपेक्षा करल बा । होमस्टेमे बैठक लाग आन्तरिक तथा बाह्य पर्यटक पुग्ना करल बटै । पर्यटकहे बैठ्ना सुविधा संगे रुचि अनुसारके थारु परिकारके व्यवस्था करजाइठ् । सांस्कृतिक नृत्य फेन डेखैना व्यवस्था होमस्टेमे रहल बा ।

गर्मी महिना सुरु हुइलसंगे मच्छर, साप, किरा काटीनके डर रहठ टबमारे सवधानी अपनाई ।

श्रम तथा रोजगार कार्यालयको जनहितमा जारी सन्देश

- श्रम तथा रोजगार कार्यालयको जनहितमा जारी सन्देश
- रोजगार सम्झौता गरेर मात्रै काममा लागौं र लगाऔं ।
- औपचारिक तथा अनौपचारिक क्षेत्रका सम्पूर्ण श्रमिकको न्यूनतम ज्याला रु. १९,५५०।- अनिवार्य रुपमा कायम गरौं/गराऔं ।
- समान कामको समान ज्याला लैंगिक आधारमा पारिश्रमिकमा विभेद गर्नु कानूनी अपराध हो ।
- कार्य स्थलमा श्रमिकलाई सुरक्षाका उपकरणहरू उपलब्ध गराई काममा लगाऔं, लैंगिक हिंसाको अत्य गरौं ।
- बालश्रम कानूनी रुपमा दण्डनिय अपराध हो । बालश्रम नगरौं/नगराऔं ।
- श्रम अडिट प्रत्येक वर्षको पौष मसान्तभित्र अनिवार्य रुपमा पेश गर्नु/गराउनु उद्योग/प्रतिष्ठानको कर्तव्य हो अन्यथा नियमानुसार कारवाही गरिने छ ।
- असल श्रम सम्बन्धको आधार सामाजिक सुरक्षा र रोजगार औद्योगिक दुर्घटना न्यूनीकरण गरौं व्यवसायजन्य रोग लाग्नबाट बचौं ।
- श्रम ऐन, २०६४ र नियमावली, २०७५ को पूर्णरुपमा कार्यान्वयन गरौं ।
- वैदेशिक रोजगारीमा जाँदा अनिवार्यरुपमा श्रम स्वीकृति गरेर जाऔं ।

श्रम तथा रोजगार कार्यालय

धनगढी, कैलाली

डढेलो तथा लूबाट जोगिऔं र जोगाऔं ।

- सुख्खायाम तथा पतझरको समयमा डढेलो लाग्न सक्छ,
- डढेलोले मानिस, वन्यजन्तु र पर्यावरणमा गम्भीर असर पार्न सक्छ,

डढेलोबाट जोगिन

- जथाभावीरूपमा वन तथा जङ्गल क्षेत्रमा आगो नबालौं,
- सुक्खा घाँस पातजस्ता ज्वलनशील वस्तु सुरक्षितरूपमा व्यवस्थापन गरौं,
- चुरोट, बिडी, आगोका झिल्का भएका वस्तु जथाभावी नफालौं,
- डढेलोविरुद्द समुदायस्तरमा सचेतना फैलाऔं,
- डढेलो देखिएमा तत्काल सम्बन्धित निकायमा जानकारी गराऔं,

वन जोगाउ र वातावरण संरक्षणमा योगदान दिऔं ।

• गर्मी बढेसँगै तातो हावा (लू) सुरु भएको छ । अतिआवश्यक काम बाहेक घरबाट ननिस्कौं । निस्किने भए छाताको प्रयोग गरौं र बढी झोलिलो पदार्थ र पानीको प्रयोग गरौं ।

भजनी नगरपालिका

४ नम्बरको कार्यालय

खैलाड, कैलाली

पेट, छाती, मुटु तथा थाईराईड विभाग

उपचार हुने रोगहरू

- उच्च रक्तचाप, दम तथा मुटु रोगको उपचार
- सुगर (मधुमेह), थाईराईड रोगको उपचार तथा परामर्श
- मिर्गी रोग, प्यारालाइसिस (पक्षघात) तथा अन्य नशा सम्बन्धी रोगको उपचार
- छाती दुख्ने, पेट दुख्ने समस्याको उपचार
- ज्वरो आउने, टाउको दुख्ने तथा पुरानो जटिल रोगको उपचार तथा परामर्श
- सिकल सेलरोग तथा अन्य रगत कम (Anemia) को उपचार तथा परामर्श

डा. सुमन चौधरी

MBBS, MD (KU)
NMC No. 15308
कन्सल्टेन्ट फिजिसियन

२४ सै घण्टा आकस्मिक उपचार

ओ.पि.डी. सेवा प्रत्येक दिन (बिहान ९ देखि साँझ ५ बजेसम्म

धनगढी
संजिवनी अस्पताल प्रा. लि.

(राष्ट्र बैंक चौक, धनगढी-५) सम्पर्क नं. ०९१-५९०३२८, ९७६४२१२७२७, ९७६९९३२१०५

प्राकृतिक स्रोत द्वन्द्व रूपान्तरण केन्द्र नेपालके १३औँ स्थापना दिवस

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, २७ जेठ । प्राकृतिक स्रोत द्वन्द्व रूपान्तरण केन्द्र नेपालके १३औँ स्थापना दिवस मनैले बा ।

दिवसके अवसरमे सुदूरपश्चिम प्रदेशके भौतिक पूर्वाधार विकास पुर्व मन्त्री माननीय कैलाश चौधरी १३ वर्षसे समुदायमे शान्ति, मेलमिलाप, न्यायमे पहुँच तथा प्राकृतिक स्रोतसँग सम्बन्धित विवादके समाधानमे संस्थासे पुगाइल योगदान प्रशंसनीय रहल बटैलै ।

संस्थासे स्थानीय सरकार, सरोकारवाला निकाय तथा समुदायबीच समन्वय ओ सहकार्यहे मजबुत बनैटी सामाजिक सद्भाव कायम कैनामे महत्वपूर्ण भूमिका निर्वाह करल उहाँ बटैलै । अइना दिनमेफे संस्थासे दिगो शान्ति, विकास ओ सामाजिक रूपान्तरणके क्षेत्रमे आउर प्रभावकारी कार्य करटी जैना उहाँ विश्वास व्यक्त करलै । अपन ओरसे सेक्ना सहयोग कैना बाचा सहित शुभकामना व्यक्त करलै ।

संस्थाके पश्चिम संयोजक बल्लु चौधरी पश्चिम क्षेत्रमे ३० ठो जल, जंगल ओ जमिनमे विवाद दिगो रुपमे समाधन करल बटैलै । उहाँ कहलै, संस्थासे दिगो रुपमे रुपान्तरण करल विवादमे १२ ठो जंगल, १२ ठो जमिन ओ ६ ठो जलके रहल बा । विवाद दिगो रुपमे रुपान्तरण हुइलपाछे विकास निर्माणके कामफे तिब्रता पाइल उहाँ बटैलै ।

संस्थासे बर्दियाके बढैयाताल गाउँपालिका–३ स्थित सटपटिया गाउँमे रहल बबै सिचाई आओजनाके विवाद

रुपान्तरण करुवाइलपाछे ४५ करोड बजेट परल आयोजनाके अध्यक्ष गोविन्द प्रसाद थारु बटाइलल उहाँ कहलै ।

ओस्टेक करके कैलालीके भजनी नगरपालिका –७ सुरकैया तालसे पुरैना कुलोसम ११ मिटर चौडा ४६१ मिटर लम्बाई डगर निर्माणके काम सम्पन्न हुइल बा । विवाद दिगो रुपमे रुपान्तरण हुके सडक निर्माण हुइलपाछे ढेर जाने लाभाँन्वित हुइल बटै । पश्चिम क्षेत्रमे लुम्बिनी प्रदेशके बाँके ओ बर्दिया जिल्ला, सुदूरपश्चिमके कैलाली, कञ्चनपुर, डडेल्धुरा, अछाम, डोटी ओ बैतडीमे कार्यक्षेत्र बनाके काम करटी रहल संयोजक बटैलै । कैलाली जिल्लामे टमान स्थानीय तहमे जल, जंगल ओ जमिनके विवादहे दिगो रुपमे समाधान करेक लाग कार्य करटी रहल जिल्ला संयोजक गंगा दुलाल ओ जिल्ला सहजकर्ता बन्धु विवस चौधरी बटैलै ।

"दिगो शान्तिका लागि उन्नत सम्वन्ध" कना मुल नाराके साथे प्राकृतिक श्रोत द्वन्द्व रुपान्तरण केन्द्र, नेपालके स्थापना वि.सं. २०७० साल जेठ २७ गते हुइल हो । यी वि.सं. २०७० असार १३ गते जिल्ला प्रशासन कार्यालय भक्तपुरमे दर्ता हुके (दर्ता नं. १२२१) औपचारिक कानुनी मान्यता प्राप्त करले बा । यी संस्था समाज कल्याण परिषद्मा वि.सं. २०७० असार १६ मे (आबद्धता नं ३७४३०) आबद्ध हुइल हो । दिगो शान्तिके लाग उन्नत सम्बन्ध कना मूल नाराके साथ शान्तिपूर्ण ओ सु–संस्कृत समाज निर्माणमे संस्था क्रियाशिल रहल बा । शान्ति निर्माणके क्षेत्रमे कार्यरत यी संस्थाहे मेलमिलाप परिषदसे मेलमिलाप सम्बन्धी ऐन २०६८ के दफा २७ (ग) बमोजिम मेलमिलाप सम्बन्धी तालिम सञ्चालन कैना ओ उहे ऐनके दफा २३ बमोजिम मेलमिलाप सम्बन्धी कार्य करेक लाग स्वीकृति प्राप्त हुइल बा ।

स्थापना कालसे जल, जमिन तथा जंगल सम्बन्धी बृहत्तर खालके बहुसरोकारवाला विवादमे माकुरा पद्दतिसे सहजीकरण करटी आइल यी संस्थासे २०७२ सालसे मेलमिलाप अभियानके माध्यमसे अन्तर व्यक्तिगत विवादमे समेत सहजीकरण करके शान्ति स्थापनामे थप टेवा पुगैटी आइल बा ।

संसारमे मनैनके शरीरके टुटल अङ्ग सिलाके जीवन बचैना अस्पताल टमान बनल बटै । फाटल मन सिलाके जीवन बचैना अस्पतालमे भर कोइफे ध्यान पुगाइसेकल नैहो । स्रोत साधन उप्परके पहुँच ओ नियन्त्रण तथा आपसी चाहना फरक हुके मन फाटल कारण घरपरिवारसे सिगो समाज विभाजित बा । फाटल मनके दरार बह्रटी जाके ढेरके जीवन समेत समाप्त हुइटी रहल घटना प्रशस्त बटै । एक ठो विषयहे लेके हुइना छोट विवाद बह्रटी जाके अन्ततः हिंसात्मक रुप लेनाके साथे भारी धनजनके क्षति हुइल बा ।

गाउँ घरमे हुइना यैसिन विवाद समाधान करेक लाग परम्परासे टमान तरिका प्रयोगमे आइल बटै । विवाद समाधानके लाग करल उ प्रयाससे बाहेरर डेखल विषयमे समाधान खोजलेसेफे भिटरी रुपमे टुटल मन ओ सम्वन्ध जोरे नैसेक्के पुनः झगडा हुइना ओ मनके घाउ झन गहिर हुइटी जैना करल पाइल बा ।

कटुवा पेस्तोलसहित एक भारतीय पक्राउ

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, २७ जेठ । भारत जिल्ला लखिमपुरखिरी घर हुके जिल्ला कैलाली धनगढी उ.म.न.पा.वडा नं.०५ सत्कार चोक लग्गे डेरा करके बैठना भारतीय नागरिकहे कटुवा पेस्तोलसहित पक्राउ करल बा ।

भारत जिल्ला लखिमपुरखिरी घर हुके धनगढी–०५ सत्कार चोक लग्गे डेरा करके बैठना बर्ष २४ के साहिल खानके डेरा कोठामे शंका लाग चेकजाँच करेबेर हुकान कोठासे आउर सामान बरामद करल जिल्ला प्रहरी कार्यालय कैलालीके सूचना अधिकारी योगेन्द्र तिमिल्सना जनैलै ।

प्रहरी हुकानथेनसे कटुवा पेस्तोल थान –१, रेन्च थान –१, चाँदीके करुवा थान –१, चाँदीके जस्टे विल्गैना घाटीमे लगैना माला थान –२, टर्चलाईट थान –२ फलामके रड थान –१, फलामके टी थान–१, डिजिटल काटा थान –१, खुकुरी थान –१ बरामद करल सूचना अधिकारी जनैलै ।

खानहे हिरासतमे धारके थप अनुसन्धान कार्य हुइटी रहल उहाँ जनैलै ।

निजी सञ्चार माध्यम उपरके विभेदकारी निर्णयविरुद्ध धर्ना

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, २७ जेठ । निजी सञ्चारमाध्यमउपर अंकुश लगैना उद्देश्यसे सरकारसे करल निर्णय प्रेस स्वतन्त्रता, अभिव्यक्ति स्वतन्त्रता तथा लोकतान्त्रिक मूल्य–मान्यताउपरके प्रहार रहल कहटी कैलालीके पत्रकार जिल्ला प्रशासन कार्यालय आघे धर्ना डेले बटै ।

नेपाल पत्रकार महासंघके केन्द्रीय कार्यक्रमअन्तर्गत बुधके आयोजित धर्नामे सहभागी पत्रकारहुक्रे स्वतन्त्र पत्रकारिता, नागरिकके सूचनाके अधिकार तथा प्रेस स्वतन्त्रताके पक्षमे ऐक्यबद्धता जनाइल रहिट । उहाँहुक्रे "निजी सञ्चार माध्यमउपरके विभेदकारी निर्णय तुरुन्त खारेज कर", "प्रेस स्वतन्त्रता हमार अधिकार" ओ "लोकतन्त्रके आधार प्रेस स्वतन्त्रता" लगायतके नारा लिखल प्लेकार्ड प्रदर्शन करल रहिट ।

धर्ना कार्यक्रमहे सम्बोधन कैटी नेपाल पत्रकार महासंघके केन्द्रीय सदस्य योगेन्द्र बलायर प्रेस स्वतन्त्रता ओ पत्रकारहुक्रनके हकहितके संरक्षणके लाग महासंघ एकजुट रहल उल्लेख कैटी सरकारसे करल विभेदकारी निर्णयविरुद्ध देशव्यापी आन्दोलन जारी रहल बटैलै ।

नेपाल पत्रकार महासंघ सुदूरपश्चिम प्रदेश अध्यक्ष भरत शाहसे इतिहासके टमान राजनीतिक कालखण्डमे समेत पत्रकारिताउपर अब्बे जैसिन हस्तक्षेप नैरहल दाबी करले । पत्रकारिता क्षेत्रउपर हुइटी रहल सरकारी दबाब ओ विभेदकारी नीति स्वीकार्य नैहुइना उहाँ बटैलै ।

महासंघ कैलाली शाखाके अध्यक्ष श्रवण देउवा वर्तमान सरकार पत्रकार तथा मिडिया मैत्री नैरहल आरोप लगैलै । सरकारी विज्ञापन रोकके सञ्चारमाध्यमउपर आर्थिक नाकाबन्दी कैना प्रयास हुइल दाबी कैटी उहाँ निर्णय फिर्ता नैहुइटसम आन्दोलन जारी रहना चेतावनी डेलै ।

महासंघके अनुसार केन्द्रके परिपत्र अनुसार देशभरके जिल्ला प्रशासन कार्यालयमे अक्कसाथ धर्ना कार्यक्रम आयोजना करल हो । पत्रकारहुक्रे संविधानसे सुनिश्चित करल प्रेस स्वतन्त्रताके सम्मान कैना, सञ्चारमाध्यमउपरके हस्तक्षेप रोक्ना तथा नागरिकके सूचनाके अधिकार कुण्ठित नैकैना सरकारसँग माग करले बटै ।

नेपाल पत्रकार महासंघ कैलालीके सचिव तेज भट्टके अनुसार आन्दोलनके कार्यक्रमहे निरन्तरता डेटी जेठ २९ गते पुनः धर्ना कार्यक्रम आयोजना कैना जनैलै ।

वैदेशिक रोजगारीमा जाँदा ध्यान दिऔं ।

- वैदेशिक रोजगारीमा जाँदा सीप सिकेर जाऔं,
- वैदेशिक रोजगारीमा जाँदा अनुमती प्राप्त संस्थाबाट मात्र जाऔं,
- सामान्य चिनेको व्यक्तिले भनेको आधारमा अवैध मार्गबाट जाने कार्य नगरौं,
- अनुमती प्राप्त संस्था मार्फत जाँदा वेवसाइट मार्फत विज्ञापन भए नभएको तथा लट नम्बर हेरी अन्तरवार्ता लगाएतका छनौट प्रकृयाबाट मात्र जाऔं,
- वैदेशिक रोजगारीका लागि शुल्क बुझाउँदा वैङ्किङ प्रणालीको प्रयोग गरौं,
- वैदेशिक रोजगारीमा जाँदा अभिमुखीकरण तालिम लिने गरौं,
- भिजिट भिसामा विदेशमा गएर काम नगरौं,
- विदेशमा रहँदा मर्यादित, अनुशासित भई उक्त देशको कानून पालना गरौं,
- कार्यस्थलमा कार्य गर्दा पुर्ण रुपमा व्यवसायजन्य सुरक्षाका मापदण्डहरुको पालना गरौं,
- स्वदेशमा पैसा पठाउँदा वैङ्किङ माध्यमको प्रयोग गरौं।

नेपाल सरकार
विज्ञापन बोर्ड

सुवर्ण अवसर ! सुवर्ण अवसर !! सुवर्ण अवसर !!!

कैलाली अस्पताल प्रा.लि

Provide Health Related Services

सेवाहरू:

- मधुमेह(सुगर)
- थाइराइड रोग
- पेट,मुटु तथा छातिरोग
- कलेजो रोग
- TB, हेपाटाइटिस रोग
- ब्लडप्रेसर तथा हृदयरोग
- मोटोपना

डा. अकाश राउत
MBBS, MD (TU), Internal Medicine
Senior Consultant Physician
NMC NO. 20304
आउने समय : प्रत्येक दिन (२४सै घण्टा)

डाक्टर आउने समय : प्रत्येक दिन, आकस्मिक सेवा (चिकित्सक) २४ घण्टा

हाम्रा सेवाहरु : १) २४ घण्टा ईमर्जेन्सी सेवा, फार्मेसी सेवा, अत्याधुनिक प्याथोलोजी, रंगीन इण्डोस्कोपी, डिजिटल एक्सरे, रंगीन भिडियो एक्सरे, अत्याधुनिक अप्रेसन थियटरबाट सेवा, वातानुकुलीन एम्बुलेन्स, वातानुकुलीन क्याविन । २) स्त्री रोग तथा प्रसुती सम्बन्धी सेवा (बाँझोपन, सेतोपानी बग्ने, तल्लो पेट दुख्ने, महिनावारी गड्बडी, पाठेघर खस्ने, पाठेघरको अप्रेशन, गर्भवती तथा सुत्केरी सेवा) । ३) ल्याप्रोस्कोपी तथा जनरल सर्जरी (हाइड्रोसिल, हर्निया, पायल्स, फिस्टुला, स्तनमा गाँठागुठी आउने, शरिरका विभिन्न भागमा गाँठागुठी, घाउ खटिरा, पत्थरी, किड्नीको पत्थरी, प्रोस्टेटको अपरेशन तथा पित्तथैलीको पत्थरी अप्रेशन) । ४) हाड(जोर्नी तथा नशा सम्बन्धी सेवा (हाटखुट्टा बाङ्गो, फ्याक्चर, हाडजोर्नीको दुखाई, कम्मर दुख्ने तथा अत्याधुनिक मेशिनबाट हड्डीको अप्रेशन)छाती, मुटु, कलेजो तथा पेट सम्बन्धी सेवा । ५) यौनरोग, कपाल तथा छाला रोग सम्बन्धी सेवा । ६) मानसिक तथा मनोरोग सेवा । ७) नाक, कान, घाँटी रोग सम्बन्धी सेवा । ८) मुर्छा पर्नु, टाउको दुख्ने जस्ता समस्याहरू, प्यारालाइसिस हातखुट्टा नचल्ने सम्बन्धी सेवा । ९) न्यूरो (नशा रोग) लागुपदार्थ दुर्व्यसनी, कुलत सम्बन्धी,

कैलाली अस्पताल प्रा.लि

जिल्ला प्रशासन कार्यालय अगाडि, पशुपति टोल, धनगढी, कैलाली

ग्राहक वर्गहरूमा खुशीको खबर !

हाम्रो यहाँ सबै कम्पनीका रि–कण्डिसन मोटरसाइकलहरू पाइनुका साथै मर्मत पनि गरिन्छ र सबै कम्पनीका हेलमेट र पार्टसहरू थोक तथा खुद्रा मूल्यमा पाईन्छ ।

कुनै पनि मोटरसाइकल नगद खरिद गरेमा आकर्षक उपहारको व्यवस्था रहेको जानकारी गराउँदछौं ।

संजय अटो सेल्स एण्ड रि–कण्डिसन

धनगढी–४, उत्तरबेहडी (चटकपुर शहिद गेट भन्दा दुईसय मिटर पूर्व)

फोन न. ०९१४१०१०५, सुजित मो. ९८५८४२३९१२, सुनिल मो. ९८६७७९३५२१, महेश मो. ९८१३१३१०२९